Indian Association of Pediatric Surgeons

Patient Information Sheet

COLOSTOMY - कोलोस्टोमी

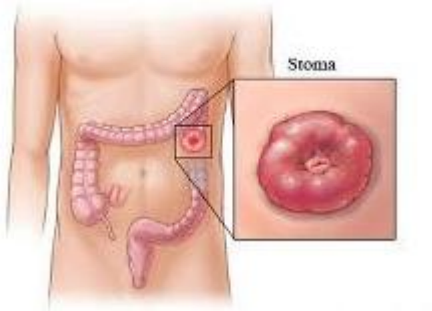

Concept, Text & Photograph Courtesy :

Mrs Surya Thangaraj MSc (pediatric nursing) &
Dr Pavai Arunachalam, Professor of Pediatric Surgery, PSG IMS&R, Coimbatore

Hindi Translation by:
Dr. Abhishek Tiwari, Asst. Prof., Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur
Dr. Vikesh Agrawal, Professor, Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur

Designed and formatted by :
Dr. Veereshwar Bhatnagar,
Former Professor & Head, Pediatric Surgery, AIIMS, New Delhi,
Currently Professor of Pediatric Surgery & Dean Research, School of Medical Sciences & Research, Sharda University, Greater Noida, UP.

Published by :
Dr. Amar Shah, Consultant Pediatric Surgeon, Amardeep Multispeciality Children Hospital, Ahmedabad &
Professor Ravi Kanojia , PGIMER, Chandigarh
for & on behalf of the Indian Association of Pediatric Surgeons

कोलोस्टोमी क्या है?

कोलोस्टोमी एक सर्जिकल प्रक्रिया है जिसमें बड़ी आंत को खोला जाता है और इसे पेट की दीवार के बाहर लाया जाता है और त्वचा से जोड़ा जाता है।

इस समस्या का क्या कारण है और यह कितना कॉमन है?

इसका उद्देश्य बड़ी आंत में एकत्रित मल को खाली करना है जो सामान्य रूप से निकासी में असमर्थ हैं।
कोलोस्टोमी ज्यादातर बच्चों में एक अस्थायी जीवन रक्षक उपाय के रूप में की जाती है। जिन परिस्थितियों में कोलोस्टोमी की आवश्यकता होती है वे हैं:

- जन्म के समय गुदाद्वार का न होना (इम्पर्फोरेट एनस)
- हर्शप्रंग डिसीस
- नेक्रोटाईज़िंग एंट्रोकोलाइटिस
- आंत में छिद्र होना (पेरिटोनिटिस के लिए अग्रणी छिद्र)

लक्षण क्या हैं ?

सर्जन पेट में एक चीरा लगाकर बड़ी आंत के ऊपरी हिस्से को इस चीरे से बाहर लाकर पेट की चमड़ी से जोड़ते हैं, जिससे इस कोलोस्टोमी से मल और गैस स्वाभाविक रूप से पारित हो सके और बच्चे को तनाव या धक्का देने (स्ट्रेन) की आवश्यकता न हो। यह सर्जरी के तुरंत बाद सूज जाता है और समय के साथ ठीक होकर यह छोटा हो जाता है। यह लाल और नम रहना चाहिए, इसमें दर्द महसूस नहीं होता है। यह गाल के अंदर की सतह की तरह महसूस होता है। लेकिन, इससे खून बह सकता है अगर इसे बहुत ज्यादा से रगड़ा जाए।

अपने चिकित्सक को कब दिखाना है?

कोलोस्टोमी बनने से पहले आपने डॉक्टर को दिखाया होगा। कोलोस्टॉमी के बाद आपको कोलोस्टॉमी के प्रबंधन के लिए अक्सर डॉक्टर को दिखाना पड़ सकता है।

इसका निदान (डायग्नोसिस) कैसे किया जाता है?क्या उपचार उपलब्ध हैं? ऑपरेशन के बाद संभावित जटिलतायें क्या हैं / ऑपरेशन के बाद क्या होता है?इन बच्चों का दृष्टिकोण या भविष्य क्या है?

एक कोलोस्टोमी का निदान स्पष्ट है लेकिन संबंधित समस्याओं को तदनुसार समझने और प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

कोलोस्टोमी की देखभाल:

कोलोस्टोमी देखभाल बैग का उपयोग कर। कोलोस्टोमी बैग कई शैलियों और आकारों में उपलब्ध हैं। इनमें एक चिपचिपा वेफर होता है जो त्वचा पर चिपक जाता है और एक थैली होती है जो मल को इकट्ठा करती है। एक टुकड़ा प्रणाली और दो टुकड़ा प्रणाली हैं। एक टुकड़ा थैली में वेफर और थैली एक इकाई के रूप में एक साथ शामिल होते हैं। एक दो टुकड़ा प्रणाली में एक वेफर और थैली होती है जो अलग होती है। बच्चों में सुविधा के लिए ज्यादातर एकल टुकड़ा जल निकासी बैग का उपयोग किया जाता है।

कोलोस्टॉमी बैग का अनुप्रयोग:

अपने हाथों को धो लें और कपड़े के टुकड़े / गौज़ का उपयोग करके नल के पानी से धीरे से कोलोस्टोमी के आसपास की त्वचा को साफ करें। छिद्र के आकार को समायोजित करें, चिपकने वाला निकला हुआ किनारा से सुरक्षा कवर को हटा दें। कोलोस्टोमी के ऊपर थैली को फिट करें और केंद्र से किनारों तक चिकना करें, यह सुनिश्चित करें कि कोई क्रीज नहीं हैं जो रिसाव का कारण हो सकता है। 30 सेकंड के लिए अपने हाथों से चिपकने वाले कवर को दबाकर रखें, क्योंकि त्वचा की गर्मी से चिपकने की क्षमता बढती है।

कोलोस्टॉमी बैग को खाली करना:

थैली को तब खाली करें जब वह 1/3 से 1/2 पूर्ण हो और इससे पहले कि आप सिस्टम को बदल दें। तब तक इंतजार न करें जब तक कि थैली पूरी तरह से भर न जाए। यह सील पर दबाव डाल सकता है और रिसाव या फैलने का कारण बन सकता है।कोलोस्टॉमी बैग को हटाना: हटाने से पहले थैली को खाली करें। रंध्र को देखें और साफ करें। नया थैली लगाएं।

कपड़े का उपयोग करके कोलोस्टॉमी देखभाल:

भारत में आर्थिक स्थिति के कारण बहुत से लोग कोलोस्टोमी बैग नहीं खरीद सकते हैं, इसलिए जटिलता (त्वचा में जलन) के बावजूद कपडे की सलाह दी जाती है। नरम साफ कपड़ा स्टोमा के ऊपर लगाया जाता है और पेट के ऊपर टाई द्वारा सुरक्षित कर बाँधा जाता है। कपड़े को धोने और धूप में सुखाने के बाद पुन: उपयोग किया जा सकता है।

त्वचा की देखभाल :

कोलोस्टॉमी के आसपास की त्वचा को पानी से साफ करें। जब तक ऐसा करने के लिए निर्देशित नहीं किया जाता है तब तक बेबी वाइप्स, तेल, पाउडर, मलहम या लोशन का प्रयोग न करें। यदि आवश्यक हो तो त्वचा की सुरक्षा और लीक को प्रबंधित करने के लिए बैरियर पाउडर का उपयोग करें|

स्नान थैली के साथ या निकालकर हो सकता है। पानी स्टोमा में नहीं जाएगा और इसे नुकसान नहीं पहुंचाएगा। कोलोस्टॉमी के आसपास तैलीय साबुन और लोशन से बचें। स्नान के बाद रंध्र के आसपास की त्वचा को सुखाएं और सील की जांच करें कि वह ठीक है कि नहीं।

समस्या :-

त्वचा में जलन: कोलोस्टॉमी के आसपास की त्वचा में घाव हो सकते हैं। यह आमतौर पर थैली से रिसाव के कारण होता है।थैली के उचित अनुप्रयोग और बैरियर पाउडर के उपयोग द्वारा इलाज किया जाता है।–

स्टोमा स्टेनोसिस: स्टोमा का संकीर्ण (स्टोमा का छिद्र छोटा होना)। हल्के स्टेनोसिस को ठीक किया जा सकता है।- पेरिस्टोमल हर्निया: तब होता है जब आंत का एक हिस्सा स्टोमा के आसपास के क्षेत्र में उभार लेता है।–

स्टोमा प्रोलैप्स: तब होता है जब आपके आंत का एक हिस्सा आपके स्टोमा से बाहर निकलता है। पेट के अन्दर दबाव बढ़ने के कारण स्टोमा प्रोलैप्स हो सकता है। हल्का प्रोलैप्स समस्या का कारण नहीं होता है। गंभीर प्रोलैप्स की समस्या को ठीक करने के लिए सर्जरी की आवश्यकता होती है।- स्टोमा रिट्रैक्शन: तब होता है जब स्टोमा की ऊंचाई त्वचा के स्तर से नीचे चली जाती है।

इन बच्चों का दृष्टिकोण या भविष्य क्या है?-

पतला मल हो सकता है और यह समीपस्थ रंध्र (प्रोक्सिमल स्टोमा) में अधिक होता है और इसे ओरल रिहाईडरेशन घोल (ओआरएस) की आवश्यकता होती है।- अगर दर्द और उल्टी है और कोई मल नहीं आ रहा है तो डॉक्टर से सलाह लें- स्टोमा से रक्त की निकलने पर बच्चे को आयरन टॉनिक की आवश्यकता हो सकती है- आंत के प्रोलैप्स के लिए डॉक्टरों के परामर्श की आवश्यकता होती है।

Colostomy bags